फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 308 प्रभात जयपुर, गुरूवार 11 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

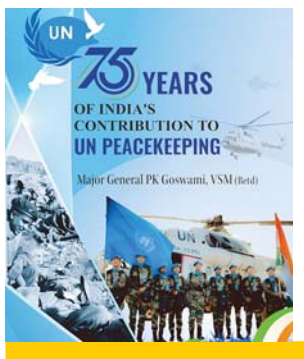

75 YEARS OF INDIA'S CONTRIBUTION...

The Blue Helmets play a vital role in preserving peace. India has a remarkable and distinguished legacy as one of the largest troop contributors

Fusion of Eri Silk and Kota Doria

Mumbai's Forgotten Monument of Reform, Education, and Heritage

'दो अविवाहित वयस्कों के बीच सहमति से बना यौन संबंध अनैतिकता का प्रमाण नहीं'

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय समाज की बेहद पुरानी प्राचीन धारणाओं से मेल नहीं खाता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। दशकों तक भारत में विवाह-पूर्व यौन संबंधों (प्री-मैरिटल सेक्स) को नैतिकता की कसौटी माना जाता रहा है। इसका असर विवाह की संभावनाओं पर पड़ता था। इससे लोगों की सामाजिक छवि बनती-बिगड़ती थी। कुछ मामलों में तो इसका प्रभाव करियर पर भी पड़ता था। किसी व्यक्ति के प्रेम संबंधों के इतिहास को अक्सर उसके चरित्र का पैमाना मान लिया जाता था।

- न्यायाधीशों ने कहा, लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे दो वयस्कों के बीच शारीरिक संबंध में सहमति शामिल होती है।
- सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का असर भविष्य के उन मामलों पर पड़ सकता है, जिनमें शादी का वादा कर यौन संबंध बनाने के आरोप लगाए जाते हैं।
- सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय भारत की उस प्राचीन धारणा को चुनौती देता है, जिसमें नैतिकता का आकलन व्यक्ति के रोमांटिक अतीत के आधार पर किया जाता है।
- अदालत का यह फैसला स्त्री और पुरुष, दोनों वर्गों के लिए लाभदायक हो सकता है। इस फैसले ने सामाजिक चर्चा को परस्पर सहमति, निजी स्वतंत्रता और अपने जीवन साथी का चुनाव करने की आज़ादी की तरफ मोड़ दिया है।

पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने इस सोच को चुनौती दी।

तलाक के मामलों की वकील वंदना शाह कहती हैं कि अदालत ने वास्तव में उस सच को स्वीकार किया है, जिसे बहुत से भारतीय पहले से जानते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने में हिचकते हैं। वयस्कों के बीच सहमति से बने संबंध आज के जीवन का हिस्सा है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि सहमति से बने विवाह-पूर्व संबंधों को किसी व्यक्ति के खराब चरित्र का प्रमाण नहीं माना जा सकता। इस प्रकार अदालत ने व्यक्तिगत चुनाव और नैतिकता को अलग-अलग माना है, जिसे बहुत लोग लंबे समय से आवश्यक मानते रहे हैं।

शाह का मानना है कि इस मामले में न्यायपालिका समाज से कुछ कदम आगे दिखाई देती है।

यह अंतर महत्वपूर्ण है, क्योंकि चरित्र और व्यक्तिगत व्यवहार एक ही चीज नहीं हैं। किसी व्यक्ति की ईमानदारी या नैतिकता का आकलन केवल उसके प्रेम संबंधों के इतिहास से नहीं किया जा सकता।

फैसले का शायद सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अदालत ने उस गहरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कमर्शियल जहाज के 3 भारतीय क्रू सदस्य लापता

मस्कट, 10 जून। ओमान के तट के पास एक कमर्शियल जहाज सेटोबेलो पर हुए हमले में 24 भारतीय क्रू मेंबर्स में से अब तक 21 को बचा लिया गया है और 3 भारतीय लापता बताए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "हम ओमान के तट पर कमर्शियल जहाज सेटोबेलो पर हुए हमले की निंदा करते हैं। जहाज पर मौजूद 24 भारतीय क्रू मेंबर्स में से अब तक 21 को बचा लिया गया है और 3 भारतीय लापता बताए जा रहे हैं।" एमईए ने कहा कि ओमान में हमारा दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और खोज व बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से तालमेल बिठा रहा है।

- ओमान के पास जहाज पर हमला हुआ था। जहाज के 24 भारतीय कर्मियों में से 21 को बचा लिया गया।

ममता बनर्जी कांग्रेस में शामिल होंगी?

ममता बनर्जी ने मंगलवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की, वहीं उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी राहुल से मिले, इससे विलय की अटकलें तेज हुईं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। टीएमसी के विधायक और सांसद बड़ी संख्या में पार्टी छोड़ रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का एक बड़ा कदम उठाया है।

आठ जून को इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने के बाद ममता बनर्जी ने मंगलवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी आज राहुल गांधी के साथ बैठक की, जिससे टीएमसी के कांग्रेस में विलय की अटकलें तेज हो गई हैं।

ममता बनर्जी अपने राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही हैं, क्योंकि टीएमसी टूटने के कगार पर पहुंच गई है। राज्य विधानसभा में चुने गए विधायकों में से दो-तिहाई ने राज्य विधानसभा में अलग गुट बनाने का फैसला कर लिया है, जबकि काकोली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजनैतिक गलियारों में चर्चा है कि ममता बनर्जी अपने राजनैकि जीवन की सबसे कठिन चुनौती का सामना कर रही हैं, उनकी पार्टी टीएमसी टूट रही है। दो तिहाई से ज्यादा विधायकों ने अलग गुट बना लिया है तथा 20 सांसदों ने भी अलग समूह बना लिया है और ममता बनर्जी की सबसे करीबी सहयोगी सयानी घोष व सुष्मिता देब भी बागियों में मिल गई है।
- पूर्णतया अलग-थलग पड़ चुकी ममता बनर्जी कांग्रेस में जाने पर विचार कर रही हैं, बशर्ते डील अच्छी हो। सूत्रों ने बताया, ममता बनर्जी खुद के लिए उपाध्यक्ष पद और अभिषेक बनर्जी के लिए महासचिव पद मांग रही हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज को हत्या की धमकी

रिटायर्ड जस्टिस गौतम पटेल को दाउदी बोहरा समुदाय के मामले में दिए गए एक निर्णय को लेकर धमकियां मिल रह रही हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। बॉम्बे हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति गौतम पटेल, जिन्हें देश के सबसे सम्मानित न्यायविदों में गिना जाता है, कथित तौर पर दाऊदी बोहरा मामले में दिए गए अपने 2024 के फैसले के कारण जान से मारे जाने की धमकियों का सामना कर रहे हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मामले को लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग के समक्ष उठाया है।

सूत्रों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश को आश्वस्त किया गया है कि न्यायमूर्ति पटेल और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। बताया जा रहा है कि दाऊदी बोहरा उत्तराधिकार के लम्बे समय से चल रहे विवाद में दिए गए उनके फैसले के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जस्टिस गौतम पटेल परिवार सहित लंदन में रहते हैं, वहाँ उनके घर में घुसने की कोशिश भी की गई। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने लंदन में भारतीय हाई कमीशन से इस बारे में वार्ता की और सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा।
- जस्टिस पटेल ने बताया कि धमकियां अप्रैल 2024 के निर्णय से संबंधित हैं जिसमें उन्होंने सैय्यदना मुफाद्दल सैफुद्दीन को दाउदी बोहरा समुदाय का वास्तविक धर्म प्रमुख घोषित किया था।

हम वास्तविक तृणमूल कांग्रेस हैं - ऋतबृत बनर्जी

कोलकाता, 10 जून। पश्चिम बंगाल की राजनीति में जारी उथल-पुथल के बीच विधानसभा में नवगठित तृणमूल विधायक दल के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने बुधवार को बड़ा दावा करते हुए कहा कि उनके साथ अब 64 से अधिक विधायक हैं और उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कांग्रेस के साथ संभावित विलय की सभी अटकलों को खारिज करते हुए स्पष्ट कहा कि उनका समूह ही वास्तविक तृणमूल कांग्रेस है और कांग्रेस में शामिल होने का कोई सवाल नहीं उठता।

विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बातचीत में ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि हम ही तृणमूल कांग्रेस हैं। हम किसी दल में विलय नहीं कर रहे हैं। हमारे साथ विधायकों की संख्या 64 पार कर चुकी है। संभव है कि गुरुवार को यह संख्या 65 हो जाए। स्वाभाविक रूप से हम ही तृणमूल हैं। कौन किससे मिल रहा है, इस पर हम टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन पूरी जिम्मेदारी के साथ कह सकते हैं कि हम कांग्रेस में नहीं जा रहे हैं।

आखिर भाजपा को मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ दस्तावेज कैसे मिले?

मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने दावा किया कि इसमें मदद कांग्रेस के भीतर से मिली है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव को पूरी तरह राजनीतिक थ्रिलर में बदल देने वाले एक नाटकीय मोड़ में, कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा ने खारिज कर दिया है। इसका कारण कथित रुप से यह बताया गया कि उन्होंने तेलंगाना में लंबित एक अदालती मामले की जानकारी नहीं दी।

लेकिन सवाल यह है कि भाजपा को मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ तेलंगाना में "लंबित" मामले से जुड़े कागजात कैसे मिले?

इस राजनीतिक थ्रिलर में और मसाला जोड़ते हुए, भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस ने अपने ही उम्मीदवार के खिलाफ आंतरिक साजिश की है।

वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्य के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह इशारा करके राजनीतिक हल्कों में हलचल मचा दी कि नटराजन के खिलाफ कागजात कांग्रेस के भीतर से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कहा यह भी जा रहा है कि तेलंगाना, जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां से ये दस्तावेज भाजपा को कांग्रेस के लोगों ने ही लीक किए।
- बीआरएस के नेता एम. कृषांक ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन ने मुख्यमंत्री रैवंत रेड्डी के कई ड्रीम प्रोजेक्ट्स का विरोध किया था।
- कांग्रेस का कहना है उक्त केस में मीनाक्षी आरोपी नहीं हैं, ना ही एफआईआर उनके खिलाफ है, इसलिए नामांकन पत्र में मामले का उल्लेख करने की जरुरत नहीं थी, रिटर्निंग ऑफिसर का फैसला गलत है।